गृह-कार्य मंत्री (पंडित गो० ब० पन्त) : (क) से (घ). केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को हिन्दी पढ़ाने की योजना के अन्तर्गत निर्धारित हिन्दी परीक्षायें लेने का काम मई १९५७ से सेन्ट्रल बोर्ड आफ हायर सैकिन्ड्री एजूकेशन, अजमेर को सौंप दिया गया है। अक्तूबर, १९५७ में बोर्ड ने पहली बार १७ केन्द्रों पर प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ की हिन्दी परीक्षायें लीं। चूंकि परीक्षायें लेने का प्रबन्ध बोर्ड करता है इसलिये यह विवरण हमारे पास उपलब्ध नहीं है कि कितने प्रशासनिक, निरीक्षक तथा क्लर्क कर्मचारी रखे गये और कितना खर्च हुआ किन्तु ३४ केन्द्रों पर परीक्षा लेने में लगभग ५०,००० रुपये का अनुमानित खर्चा हुआ है जो सरकार द्वारा बोर्ड को दे दिया जायेगा।

पंचांग सुधार समिति की रिपोर्ट

१३०९. श्री राघा रमण : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पंचांग सुधार समिति की रिपोर्ट अब तक कितनी भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी है; और

(ख) कितनी भाषाओं में अभी यह प्रकाशित होनी शेष है ?

गृह-कार्य मंत्री (पंडित गो० ब० पन्त) : (क) तथा (ख). रिपोर्ट अभी तक अंग्रेजी में प्रकाशित हुई है। इसे भारत की सब मुख्य भाषाओं तथा संस्कृत में प्रकाशित करने के प्रयत्न किये जा रहे हैं।

चीनी मिट्टी के बर्तनों के लिये मिट्टी

१३१०. श्री राजाराम सिंह : क्या इस्पात, खान और इंधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चीनी मिट्टी के बर्तनों के लिये उपयुक्त मिट्टी का निश्चय करने की दृष्टि से जो सर्वेक्षण किया गया था, उसके परिणामस्वरूप अब तक प्रत्येक राज्य में कितने प्रकार की मिट्टी का पता चला है; और

(ख) सर्वेक्षण के परिणामस्वरूप प्राप्त नई प्रकार की मिट्टियों का उपयोग करने के लिये क्या उपाय किये गये हैं ?

खान और तेल मंत्री (श्री के० डी० मालवीय) : (क) और (ख). चीनी के बर्तन बनाने के लिये केवल मिट्टी की उपयुक्तता निश्चित करने को राज्यों में कोई विशेष सर्वेक्षण नहीं किया गया। फिर भी भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग ने कुछ राज्यों में मिट्टी के अनेकों भूभंडार खोज लिये हैं। खोजे गये भूभंडारों की किस्म और स्थान का ब्यौरा सभा पटल पर रखे गये विवरण में दिया गया है। [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या १०१]

१९५१ की जनगणना

१३११. श्री चांडक : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५१ की जनगणना के सम्बन्ध में अब तक क्या सामग्री प्रकाशित की गयी है;

(ख) जिला जनगणना पुस्तिका के प्रकाशन के सम्बन्ध में इस बीच क्या प्रगति हुई है; और

(ग) भविष्य में उनके प्रकाशन में होने वाले विलम्ब को रोकने के लिये क्या कार्यवाही की गयी है ?

गृह-कार्य मंत्री (पंडित गो० ब० पन्त) : (क) पेपर नम्बर ६—"जन्म स्थान के अनुसार आर्थिक वर्गीकरण और शिक्षा स्तर—कलकत्ता" के अलावा १९५१ की जनगणना की सब पुस्तिकायें प्रकाशित हो चुकी हैं। यह पेपर छप रहा है और उसके शीघ्र ही प्रकाशित हो जाने की आशा है। १९५१ की जनगणना की पुस्तिकाओं की सूची की एक प्रति, जिसमें हर एक पुस्तिका का मूल्य दिया हुआ है, सदन के पुस्तकालय में पहले से ही मौजूद है।

(ख) सब राज्यों के समस्त जिलों की जिला जनगणना पुस्तिकायें प्रकाशित हो चुकी हैं । उड़ीसा की जिला जनगणना पुस्तिकाओं की केवल साइक्लोस्टाइल प्रतियां ही उपलब्ध हैं क्योंकि वह राज्य सरकार इनको छपवाने के लिये सहमत नहीं थी ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

दिल्ली पुलिस फ्लाइंग स्क्वैड

१३१२. **श्री चांडक** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनता की सेवा करने के लिये दिल्ली में पुलिस का जो फ्लाइंग स्क्वैड बनाया गया है उसने अब तक क्या कार्य किया है ;

(ख) इस स्क्वैड में कितने सिपाही कार्य करते हैं ; और

(ग) किन-किन केन्द्र-प्रशासित क्षेत्रों में ऐसे स्क्वैड बनाये गये हैं ?

गृह-कार्य मंत्री (पंडित गो० ब० पन्त) : (क) दिल्ली फ्लाइंग स्क्वैड १२ फरवरी १९५७ को बना; तब से यह ३१४७ बार जनता के बुलाने पर गया । सूचना मिलते ही वह घटना-स्थल पर पहुंच जाता है ।

(ख) ६० ।

(ग) ऐसे स्क्वैड और किसी केन्द्र-प्रशासित क्षेत्र में नहीं हैं ।

अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों का इतिहास

१३१३. **श्री चांडक** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों की सेवाओं के इतिहास का जो नया संस्करण तैयार किया जा रहा है, उसमें अब तक क्या प्रगति हुई है ; और

(ख) इस इतिहास प्रकाशन का क्या उद्देश्य है ?

गृह-कार्य मंत्री (पंडित गो० ब० पन्त) : (क) यह छप रहा है ।

(ख) इस में अधिकारियों के शैक्षणिक जीवन तथा उनकी सेवा का विस्तृत विवरण होगा जिसकी सरकार को, उनकी विभिन्न पदों पर नियुक्ति करने के लिये, समय समय पर आवश्यकता पड़ती रहती है । यह अकाउन्टेंट जनरल के लिये भी उपयोगी होगा । इस प्रकाशन को एक विस्तृत निर्देश पुस्तक के रूप में बनाने का विचार है जो समय और श्रम को बचायेगी जो आवश्यकता पड़ने पर ऐसी सूचना को एकत्र करने में लगता है ।

Paper Requirements of Government Security Press

1314. Shri Jadhav: Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) the quantity of paper annually required for printing currency notes, stamps and other necessities in the Government Security Press;

(b) the price per pound of each type of currency paper;

(c) what quantities of currency papers are burnt away daily as wastage;

(d) the wastage per day prior to the year 1951; and

(e) whether Government have considered the proposal to have a small pulp plant installed in the Press instead of burning away the wastage?

The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari): (a) About 1,450 tons for currency notes and 5,000 tons for stamps and other products.

(b) The present cost of currency note paper is Rs. 4·59 per lb.

(c) Roughly between 3 and 4% of the total quantity consumed is burnt away as wastage.